



ARYA SAMAJ (VEDIC MISSION) WEST MIDLANDS

321 Rookery Road, Handsworth
Birmingham B21 9PR
Tel : 0121 359 7727
enquiries@arya-samaj.org
www.arya-samaj.org
Charity Registration Number : 1156785



What is Arya Samaj?

Arya Samaj founded by Maharishi Dayanand Saraswati is an institution based on the teachings of Vedas for the welfare of universe. It propagates the universal doctrines of humanity.

It is neither a religion nor a sect.

ARYAN VOICE

YEAR 44

02/2022-23

MONTHLY

February 2022

Dates for your diary

(Festivals celebrated at Arya Samaj Bhavan)

Festival	Date	Time
Rishi Dayanad Jayanti	Sunday 13 th February 2022	11am – 1pm
Volunteers Meeting	Sunday 20 th February 2022	2pm – 4pm
Rishi Bodhotsav	Sunday 6 th March 2022	11am – 1pm
Holi	Sunday 20 th March 2022	11am – 1pm
Arya Samaj Foundation Day & Ram Navmi	Sunday 10 th April 2022	11am – 1pm
New Time for Day Centre	Every Wednesday	12pm - 3pm

321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR.

Tel - 0121 359 7727

Charity registration number 1156785

E-mail - enquiries@arya-samaj.org

Website - www.arya-samaj.org

Page 1

CONTENTS

10 Principles of Arya Samaj	3
How is energy Supreme? How can we avoid evil rule?- Vimal Wadhawan Yogachary	4
जीवात्मा प्रकरण-मरणोपरान्त- आचार्य डॉ. उमेश यादव	5
Volunteers and Youth Involvement Meeting at Arya Samaj Bhavan	10
Children's Corner – The Mouse and the Sage	14
Matrimonial Service	16
News (पारिवारिक समाचार)	17
Emergency Funding for Tower	19
Members who pay donations by standing order	20
Meeting for Volunteers	21
Fee for services provided by Arya Samaj West Midlands	22
Weekly services details	23
Your Arya Samaj is here to help you in “Your Hour of Need”	25

NEW HOURS

For General and Matrimonial
Enquiries Please Ring
Miss Raji (Rajashree) Chauhan
(Office Manager)
Monday – 12. 30pm to 6.30pm,
Wednesday: - 10.30am to 4.30pm.
Thursday – 2.30pm – 8.30pm
Bank Holidays – Closed
Tel. 0121 359 7727

321 Rookery Road, Handsworth,
Birmingham, B21 9PR.
Tel - 0121 359 7727
Charity registration number
1156785
E-mail
enquiries@arya-samaj.org
Website
www.arya-samaj.org
facebook
<https://www.facebook.com/aryasamajwestmidlands/>

10 Principles of Arya Samaj

- 1. God is the primary source of all true knowledge and all that is known by its means. (At the beginning of creation, nearly 2 Billion years ago, God gave the knowledge of 4 Vedas to four learned Rishis named Agni, Vayu, Aditya and Angira. Four Vedas called Rig Ved, Yajur Ved, Sam Ved and Atharva Ved contain all true knowledge, spiritual and scientific, known to the world.)**
- 2. God is existent, intelligent and blissful. He is formless, omnipotent, just, merciful, unborn, infinite, invariable (unchangeable), having no beginning, matchless (unparalleled), the support of all, the master of all, omnipresent, omniscient, ever young (imperishable), immortal, fearless, eternal, holy and creator of universe. To him alone worship is due.**
- 3. Vedas are the scripture of all true knowledge. It is paramount duty of all Aryan to read them, teach and recite them to others.**
- 4. All human beings should always be ready to accept the truth and give up untruth.**
- 5. All our actions should be according to the principles of Dharma i.e. after differentiating right from wrong.**
- 6. The primary aim of Arya Samaj is to do good to the human beings of whole world i.e. to its physical, spiritual and social welfare.**
- 7. All human beings ought to be treated with love, justice and according to their merits as dictated by Dharma.**
- 8. We should all promote knowledge (Vidya) and dispel ignorance (Avidya).**
- 9. One should not be content with one's own welfare alone but should look for one's welfare in the welfare of all others.**
- 10. In matters which affect the well being of all people an individual should subordinate any personal rights that are in conflict with the wishes of the majority. In matters that affect him/her alone he/she is free to exercise his/her human rights**

How is energy Supreme?
How can we avoid evil rule?

Hata vritam sudaanava indrena sahasaa yujaa. Maa no duhshansa ishata.

Rigveda 1.23.9

ह॒त वृ॒त्रं सु॒दानव॑ इ॒न्द्रेण॑ स॒हसा॑ यु॒जा। मा नो॑ दुःशंसं ई॒शत॑॥

(Hata) Destroy (vritam) circles (of ignorance, clouds) (sudaanavah) possessed with best feature of being a Giver (indrena) Sun, energy (sahasaa) strength (yujaa) accompanying (Maa) not (nah) us (duhshansa) evil (ishata) rule.

Elucidation

How is energy Supreme?

Energy accompanies strength and is possessed with best features of being a giver, protector. Sun's energy is the Supreme Giver. Without Sun's energy, we would be like a paralytic person. Only our energy can destroy the circles of ignorance around us, just as Sun's energy destroys the circles of clouds. Thus, only energy can ensure that no evil's rule in our life.

Practical Utility in life

How can we avoid evil rule?

Energy always accompanies strength. Energy gives us everything. Whatever we earn in life, is only because of our energy. Even our knowledge, virtues, ability and competence etc. are also our energies. We must keep a constant watch on our energy, try to protect and increase it and ensure that it is not wasted in useless activities. Protected energy can help us avoid evil rule in our life.

By Vimal Wadhawan Yogachary

Advocate, Supreme Court of Ind

जीवात्मा प्रकरण-मरणोपरान्त

आचार्य डॉ उमेश यादव

(भाग 1)

शोक / श्रद्धांजलि सभाओं में दिवंगत आत्मा के लिये सद् गति की प्रार्थना की जाती है। प्रार्थना का अभिप्राय होता है कि दिवंगत आत्मा शुभ योनि को प्राप्त करे।

मरणोपरान्त आत्मा किस प्रकार दूसरे शरीर या योनि में जाता है , एक अत्यन्त गुह्य विषय है। केवल परमपिता परमात्मा को ही इसका निश्चित रूप से ज्ञान है। हाँ, ऋषि-मुनियों ने योग साधना से, आत्म-साक्षात्कार से, जन्म-मृत्यु के इन रहस्यों को किंचिन्मात्र जाना है परन्तु वे सर्वज्ञ न होने से पूर्णतः नहीं जानते कि जगत् नियन्ता ईश्वर ने क्या व्यवस्था की है।

उपनिषदों में जन्म-मृत्यु विषय पर कतिपय विवरण मिलते हैं। उपनिषद् के ऋषि-मुनियों के अनुसार मरणोपरान्त जीव की तीन गतियाँ होती हैं।

ये तीन गतियाँ वस्तुतः तीन मार्ग हैं जो जीव के तीन आध्यात्मिक स्तर के लिये निर्धारित हैं। मनुष्य आध्यात्मिक स्तर की दृष्टि से तीन प्रकार के होते हैं — एक वे जिन्हें हम देव कह सकते हैं, जिनका जीवन परोपकारमय, ईश्वर प्रणिधानमय एवं ज्ञानमय व यज्ञमय होता है। दूसरे वे जिन का जीवन पाप-पुण्य कर्मों से मिश्रित होता है ; इन्हें सामान्य भाषा में हम मनुष्य कहते हैं। तीसरे वे जो योनि से तो मानव होते हैं परन्तु उनके कर्म सदा पाशविक एवं पापयुक्त होते हैं, जो दूसरों का सदा अहित करते हैं और कभी किसी का भला कर ही नहीं सकते ; इन्हें दस्यु या राक्षस कहा जाता है।

अथर्ववेद का मन्त्र (11.8.33) तीन गतियों का उल्लेख करता है :

प्रथमेन प्रमारेण त्रेधा विश्वङ् वि गच्छति।

अद एकेन गच्छत्यिद एकेन गच्छतीहैकेन नि षेवते।।

अर्थात् प्रथम मरण पर यानी मृत्यु के उपरान्त (द्वितीय मरण महामरण/ प्रलयकाल है), जीव तीन प्रकार की गति (मार्ग) से जाता है। एक से मोक्ष को पाता है। एक से पशु-पक्षी-कीट- पतंग आदि निम्न योनियों को जाता है और एक से मनुष्ययोनि को जाता है।

ऋग्वेद के मन्त्र (10.88.15) में दो मार्गों का उल्लेख है, मोक्ष और आवागमन (मनुष्य एवं मनुष्येतर योनियों में जन्म-मरण) :

द्वे स्रुति अशृणवं पितृणामहं देवानामुत मर्त्यानाम्।

ताभ्यामिदं विश्वमेजत्समेति यदन्तरा पितरं मातरं च।।

अर्थात् मैं मरणधर्मा प्राणियों के दो मार्गों को सुनाता हूँ। एक (वियोजक) देवताओं का और दूसरा (संयोजक) पितरों का। यह जगत् जो माता पिता के बीच जन्म लेने वाला है, चेष्टा करता हुआ , उन दोनों देवयान और पितृयाण मार्गों द्वारा अपने-अपने कर्मानुसार माता-पिता को प्राप्त होता है।

देवयान और पितृयाण लौकिक अर्थ में कोई मार्ग नहीं है ; ये दो गतियाँ ज्योतिर्मय अवस्थाएँ हैं, या कहो दिव्य विधियाँ (Divine Processes) हैं। इन से जीव ब्रह्मलोक (मुक्ति) को प्राप्त होता है जिसे देवयान कहते हैं या पुनः माता-पिता को प्राप्त कर शरीर धारण करता है जिसे पितृयाण कहते हैं।

वेद के उपरि-उद्धत मन्त्र में 'पितर' वे संयोजक वायु/ ऊर्जा विशेष हैं, जो दिवंगत जीव के सूक्ष्म और कारण शरीर को पोषित करके पुनः शरीर-धारण के योग्य बनाते हैं और 'देव' वे वियोजक (विघटन करने वाले) वायु/ ऊर्जा विशेष हैं जो जीव के प्रकृति से बने कारण शरीर और सूक्ष्म शरीर को जीव से वियुक्त कर देते हैं। यही जीव का प्रकृति से वियोग है, परमात्मा से संयोग।

अब जीव ब्रह्म में वास करता है। योगदर्शन में इसे 'पुरुषार्थशून्यानां गुणानां प्रतिप्रसवः' कहा है।

अर्थात् प्रकृति के गुण अपना कार्य सम्पन्न होने पर प्रकृति में लीन हो जाते हैं।

बृहदारण्यक और छान्दोग्य उपनिषद् में उपरोक्त पितृयाण को दो भागों में विभक्त कर दिया गया है। एक को पितृयाण और दूसरे को आवागमन कहा गया है। पितृयाण केवल काममय पुण्य कर्म वालों के लिये और आवागमन सामान्य मनुष्यों एवं अन्य प्राणियों के लिये है।

प्रथम गति:

छान्दोग्य उपनिषद् (5.10.1-2) का कथन है कि ब्रह्मनिष्ठ, निष्कामकर्मी योगियों की आत्माएँ ज्योतिर्मय, शृंखला को प्राप्त होती हैं। वे देहावसान पर प्रथम सूर्यकिरण की ज्योति, फिर दिन भर की ज्योति, यथाक्रम एक वर्ष की ज्योति समान, फिर आदित्य ज्योति, चन्द्रज्योति, विद्युत् ज्योतिर्मय देदीप्यमान हो कर 'अमानव' (Non- Human/ Divine) हो जाते हैं। (सम्भवतः विद्युत् ज्योति रूप में उनका भौतिक सूक्ष्म शरीर एवं कारण शरीर प्रकृति में लय हो जाते हैं और वे 'अमानव' (No more Human) कहलाते हैं।

तदुपरान्त ब्रह्मलोक में वास करते हैं और अन्य मुमुक्षुओं को ब्रह्ममार्ग पर सहायक होते हैं। इस शक्ति का योगदर्शन (3.32) में भी वर्णन है 'मूर्धज्योतिषि सिद्धदर्शनम्' अर्थात् मूर्धा की ज्योति पर ध्यान करने से सिद्ध आत्माओं के दर्शन होते हैं जो साधक का मार्गदर्शन करती हैं। यही देवयान-मार्ग है। गीता (8.24) में इसे 'शुक्लगति' कहा गया है। इसे 'सौर गति' भी कहते हैं।

द्वितीय गति:

पितृयाण के विषय में छान्दोग्य उपनिषद् (5.10.3-5) में कहा गया है कि सकामकर्मी, कुँ-बावड़ी बनवा कर दान-पुण्य करते हुए जो ईश्वर की पूजा-

उपासना करते हैं, वे मृत्यु के बाद 'मन्द ज्योति' की क्रमिक शृंखला में से गुजरते हैं। पहले उनका रूप 'धूम' (Smoke) के सदृश होता है, फिर रात्रि के समान, यथाक्रम कृष्णपक्ष, छः मास की ज्योतिविहीनता को प्राप्त होते हैं। तदुपरान्त पितृलोक, आकाश, चन्द्रमा को प्राप्त होते हैं और वहाँ सोम-अन्न का भोग करते हैं। वहाँ अपने पुण्य कर्मों का फल भोग कर पुनः आवागमन में आते हैं। गीता (8.25) में इसे 'कृष्ण गति' कहा गया है। इसे 'चान्द्रमसी गति' भी कहते हैं।

सकाम कर्मियों के भोगों के विषय में मुण्डक उपनिषद् (3.1.10) का कथन है :

यं यं लोकं मनसा संविभाति विशुद्धसत्त्वः कामयते यांश्च कामान्।
तं तं लोकं जयते तांश्च कामांस्तस्मादात्मजं ह्यर्चयद्भूतिकामः॥

अर्थात् अन्तःकरण से शुद्ध सकामी लोग जिस जिस लोक की कामना करते हैं उस-उस लोक को प्राप्त करते हैं। इस इच्छापूर्ति के लिये उन्हें आत्मज योगियों की अर्चना करनी चाहिये। (उन से दीक्षा लेनी चाहिये ताकि शुभ कामनाएँ ही करें) ब्रह्माण्ड में असंख्य सूर्य, असंख्य चन्द्रमा, असंख्य पृथ्वियाँ हैं। जिस-जिस लोक की, जिस-जिस पदार्थ की कामना करता है, वहाँ-वहाँ पितृयाण की आत्माएँ पहुँच जाती हैं। यह कोई स्वर्ग विशेष नहीं; केवल इच्छाओं, कामनाओं की पूर्ति के पृथ्वी की भान्ति लोक हैं।

तृतीय गति:

छान्दोग्य उपनिषद् (5.10.8) में तीसरी गति के विषय में कहा है:

अथैतयोः पथोर्न कतरेणचन तानीमानि क्षुद्राण्यसकृदावर्तीनि

भूतानि भवन्ति जायस्व म्रियस्वेत्येतत्तृतीय ँस्थानम्।

अर्थात् देवयान और पितृयाण – इन दोनों में से जो किसी एक से भी नहीं जाते, वे छोटे-छोटे जन्तु, कीट पतङ्ग की तरह- बार-बार जन्म लेने वाले बनते हैं – उनका 'जायस्व-म्रियस्व' – जन्म-मरण होता है, यह तीसरी गति है।

ब्रह्मनिष्ठ योगी, निष्काम कर्मी देवयान द्वारा परान्तकाल तक ब्रह्मलोक में रहते हैं। पितृयाण द्वारा गये सकाम-कर्मी पुण्य-फल समाप्ति तक इष्टलोकों में रहते हैं।

सामान्य जीव भी मृत्यु के पश्चात् कुछ काल तक दिव्य भुवनों का भ्रमण करते हैं और तदपश्चात् जन्म लेते हैं। इस विषय में यजुर्वेद का मन्त्र (39.6) है :

सविता प्रथमेहन्नग्निर्द्वितीये वायुस्तृतीयेऽआदित्यश्चतुर्थे चन्द्रमाः

पञ्चमऽ ऋतुः षष्ठे मरुतः सप्तमे बृहस्पतिरिष्टमे।

मित्रे नवमे वरुणो दशमऽइन्द्रऽएकादशे विश्वेदेवा द्वादशे॥

हे मनुष्यो! यह जीव-पहले दिन सूर्य, दूसरे दिन अग्नि, तीसरे दिन वायु, चौथे दिन आदित्य, पांचवे दिन चन्द्रमा, छठे दिन ऋतु, सातवें दिन मरुत (मनुष्यादि) आठवें दिन बृहस्पति (बड़ो का पालक सूक्ष्म वायु) नौवें दिन मित्र (प्राण) दसवें दिन वरुण (उदान) ग्यारहवें दिन इन्द्र (विद्युत्) और बाहरवें दिन विश्वे (सब) देवाः (दिव्य गुणों) को प्राप्त होते हैं। भाव यह है कि दिवंगत जीव सूर्यप्रकाश आदि दिव्य पदार्थों को प्राप्त कर के, कुछ काल भ्रमण कर के अपने कर्मों के अनुसार गर्भाशय को प्राप्त होते हैं। शरीर को धारण करके उत्पन्न होते हैं और पुण्य-पाप कर्म के द्वारा सुख-दुःख रूप फलों को भोगते हैं।

(स्वामी दयानन्द सरस्वती कृत यजुर्वेद भाष्य)

सम्भवतः वेद के इस मन्त्र के कारण मृतक की 13वीं (13वें दिन को श्रुद्धांजलि देने) की प्रथा चल पड़ी है ।

पर ऋषि दयानन्द ने इस मंत्र के भावार्थ में स्पष्ट कर दिया है कि 12 दिन नहीं अपितु 12 पल में ही जीवात्मा अपना नया स्थान/जन्म ग्रहण कर लेता है ।

Volunteers and Youth Involvement Meeting at Arya Samaj Bhavan

The first meeting took place on 23rd of January 2022 at ASWM Bhavan between 2pm – 4pm to invite and motivate Volunteers and Youth to come forward and get involved in the valuable work that is being done by our organization to maintain our culture, heritage and Identity through Vedic knowledge and our Sanskaras.

The meeting was set-up under the guidance and direction of the Trustee Board who have all had some concerns about the lack of presence/attendance by youth from our community.

Dr. Umesh Yadav (Acharya Ji) started the meeting by chanting Mantras. Mr. Vijay Kumar, Leader of the Youth Committee, welcomed everyone and expressed the need for commitment from younger members to “SEWA, SWADHYAY AND SATSANG”. He requested those present to come forward and get involved.

The organizers of this meeting present were Mrs. B. B. Duggal, Raji Chauhan, Mr. Vinod Gulati, Mr. Vijay Kumar and Dr. Umesh Yadav Ji.

Besides the few younger members who came to the meeting, there were many who could not attend today but who promised to get involved and take on tasks in the future.

Names of these volunteers are: Mr. Pankaj Joshi, Dr. Goldi Songra, Mr. Nishant Saini, Bimla Saund, Mr. Amit Khanna and Mr. Rajneesh Verma.

Those who were present offered help with the following:

1. Dr. Mona Khurana agreed to take responsibility for ASWM Facebook page and regular input. She also offered to set up the following sessions: Mindful Meditation, Laughter Yog and Bollywood zumba classes.

2. Pallavi Pandya and Veena Devi came forward to organise the monthly Sankirtan.
3. Mr. Vinod Gulati offered to prepare weekly Rota for all those involved in the Youth Committee as well as all the Trustees.
4. Mr. Parimal Somani will continue his responsibilities of ensuring cleanliness around the building and moving furniture etc when needed.
5. Mrs. B.B. Duggal agreed to help involve youth in our Day Centre and weekly activities.
6. Everyone present agreed to help and support our Republic Day of India event on 30th January 2022.

The Hall was nicely set up for the meeting and during the meeting, everyone enjoyed Tea, Coffee, Snacks etc.

It was decided that the next Volunteers Meeting will be held on **20th February 2022**.

The meeting ended with Shanti Path and some people stayed a little longer to have informal chats and try out our PA system.



Photo Credit - Master Veer Kumar

Volunteers Report in Hindi - विवरण

ओ३म् सेवा युवा मंडल, आर्य समाज वेस्ट मिडलैंड बर्मिंघम यूनाइटेड किंगडम की प्रथम बैठक आज रविवार दिनांक 23 जनवरी 2022 को स्थानीय स्वामी श्रद्धानन्द भवन में सम्पन्न हुई। यह बैठक आर्य समाज वेस्ट मिडलैंड बर्मिंघम के बोर्ड अॉफ ट्रस्टीज के निर्देशनानुसार युवाओं को प्रेरित करने के लिये की गई। बैठक का शुभारंभ आचार्य उमेश जी द्वारा ईश्वर-प्रार्थना के साथ किया गया। बैठक में युवा मंडल के संयोजक श्री विजय कुमार ने आर्य समाज के उद्देश्य " सेवा-स्वाध्याय-सत्संग" के भाव प्रकट करते हुये इस धारा से जुड़ने का जहाँ आह्वान किया वहीं युवामंडल के सभी युक्त सदस्य श्रीमती बृजबाला दुग्गल, श्री विनोद गुलाटी और कार्यालय मंत्री राजी चौहान सहित धर्माचार्य डॉ. उमेश यादव जी ने भी धर्म और समाज के भावी विकास की चिंता व्यक्त करते हुये युवाओं को आगे लाना अनिवार्य बताया।

बैठक में आर्य समाज के धार्मिक व सामाजिक कार्यों को मिडिया से जोड़ने, युवाओं की मासिक ज्ञान-गोष्ठी एवं संकीर्तन संध्या आयोजित करने, सम्बन्धित लाइब्रेरी में साप्ताहिक स्वाध्याय की रुपरेखा बनाने तथा संस्थान के विभिन्न भवनों यज्ञशाला, महर्षि दयानन्द हॉल, स्वामी श्रद्धानन्द हॉल, किचन, स्टोरेज रूम और विल्डिंग के बाहरी परिमिति की सफाई व देखरेख हेतु विचार विमर्श किया गया।

बैठक के साकारात्मक पहलुओं के रूप में निम्नलिखित सहयोगात्मक हाथ आगे आये - -

१. डॉ. मोना खुराना ने संस्थान के फेसबुक पेज को संचालित करने के लिये जिम्मेवारी लेने की स्वीकृति प्रदान की। साथ ही माइंडफुल मेडिटेशन, लाफ्टर

योग और बौलीवुड जुम्बा इत्यादि कलासं शुरू करने की योजना रखी ।

२. बैठक में पल्लवी पांड्या तथा वीना देवी ने मासिक संकीर्तन संध्या शुरू करने के लिये आगे आने आर्यी ।

३. बैठक में श्री विनोद गुलाटी ने युवा मंडल के सदस्यों का साप्ताहिक रोटा (दिनचर्या) बनाने की सलाह दी जिसमें अन्य ट्रस्टी भी भाग लें ।

४. श्री परिमल सोमानी ने सफाई तथा रखरखाव के कार्यों की जिम्मेवारी ली ।

५. श्रीमती बृजबाला दुग्गल ने युवाओं को डे सेंटर व साप्ताहिक गतिविधियों से जोड़ने में साथ देने की जिम्मेवारी ली ।

६. 30 जनवरी 2022 को मनाये जाने वाले भारतीय गणतंत्र दिवस समारोह को सफल बनाने के लिये सबने सहर्ष सहयोग देने का आश्वासन दिया ।

बैठक में न आ पाने की सूचना पर भविष्य में जुड़ने का आश्वासन-

१. श्री पंकज जोशी

२.डॉ. गोल्डी

३.निशान्त सैनी४. बिमला सौंध

५. अमित खन्ना

६. रजनीश वर्मा इत्यादि

बैठक के दौरान सभी ने चाय, कॉफी, स्नेक्स आदि का आनन्द लिया।

अगली बैठक रविवार 20 फरवरी 2022 को करने का निर्णय लेते हुये शांतिपाठ के साथ बैठक का विधिवत् समापन किया गया ।

Children's Corner

The Mouse and the Sage

A sage once lived in a hut near a temple. One day a mouse entered the sage's hut and started living there. He started stealing the food that the sage brought into the hut. The sage tried to hide the food, but the mouse always found it.

One day a scholar came to meet the sage. During their discussion, the scholar noticed that the sage was distracted. The scholar angrily said. "it seems your are not interested in hearing my opinions. You are preoccupied with some important thought, I should leave."

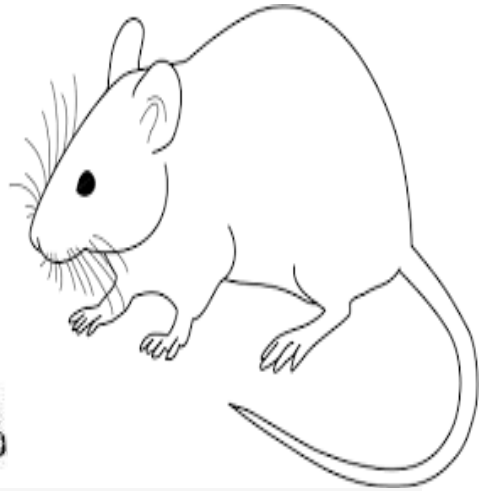
The sage apologized for his behaviour and pointed to the mouse. "Look at that mouse! No matter how high I keep the bowl of food, he can always reach it! He has been tormenting me for weeks."

The scholar understood the problem and advised. "The mouse can jump so high because he is very strong and confident. He must have stored a lot of food somewhere. You must find his hideout."

The sage and the scholar followed the mouse and found the hole where he had stored the food. They dug the hole and removed all the food.

The mouse grew weak as he was left with no food. He tried to find more food but did not succeed. Slowly he lost his confidence. Left with no option, he entered the sage's hut and tried to steal food from the bowl. However, he failed to reach the bowl. The sage hit him with a cane. The injured mouse was forced to flee from the hut and find a new place.

Moral of the Story: Strike at the enemy's source of strength to defeat him.



Matrimonial Service

Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands is dedicated to its matrimonial members to provide a service that will help members find a partner for marriage within our community. We feel it is time to make a few changes to help with this process and move forward with the times.

Changes we have made in 2018:

Website:-

- A new data base on the website that will give members an option to add a **photo** if they wish and a space for members to write a **bio** about themselves and what they are looking for in a partner.
- Existing members would have received a letter with information about what we need from you to update your profile. Once you have received this letter please fill it out and send back to us soon as possible, so we can update our **NEW** data base and you can start using the new system.

Matrimonial Service:-

- Members will now be given the **option** to directly contact each other or have the **option** for parents to contact each other.
- All **new** members will be contacted by the office staff for phone conversation during the application process.
- We are also looking in to ways of making our Matrimonial events more successful.
- **Now on facebook -**
<https://www.facebook.com/aryasamajwestmidlands/>

News

Please note

Car Parking for members on Sunday Congregation can safely park their cars on Rookery Road where there is SINGLE YELLOW LINE.

Congratulations:

- Mr Pankaj and Mrs Chander Kanta Joshi and family - Havan on 26th December 2021 for the 21st Birthday celebration for their daughter Srishti. Wishing her a very happy, healthy and successful life.
- Mr Alok and Dr Megha Yadav and family – Naming ceremony on 15th January 2022 for their baby son Yash Yadav. Grandson of our Acharya Umesh Yadav and Shanti Kumari. Wishing him a very happy, healthy and successful life.
- Dr Chetna and Dr Rashmi Varma and family – Havan on 22nd January 2022 for the 18th Birthday celebration for their son Eeshan. Wishing him a very happy, healthy and successful life.

Sponsors (Yajman):

- Dr P.D. and Mrs Rekha Gupta and family – Havan on 2nd January 2022 for New Year. Wishing them happiness and good health.

Thank You:

- Mr and Mrs Joginder Pal Sethi for sponsoring 73rd Republic Day Celebration on 30th January 2022 at our Arya Samaj Bhavan.

Donations to Arya Samaj West Midland through the Priest-Services:

- Dr Chetna Varma £101

Donations:

- Mr Alok Yadav £101
- Anonymous £100
- Mr Pankaj Joshi £50
- Dr P.D Gupta £37
- Mr M.K Jassaj £31
- Mrs Usha Khosla – appreciation for zoom activities. £31
- Dr Shail Agarwal £21
- Mrs Nina Julka £20
- Mr V.P. Rawal £11
- Mrs Kiran Atri £10
- Mr Vinod Gulati £10

Many congratulations to all the mentioned families who have had auspicious havan at their residences, on different occasions Or Sunday Vedic Satsangs in Arya Samaj Bhavan.

We need more of our members to donate monthly/yearly.

We need to expand our list of generous monthly/yearly donors list to financially support our Arya Samaj in future.

At present we are receiving about £300 of regular donations every month. We need to increase to £500 a month at least in near future.

About 25 of our members are already donating regularly. We are grateful to them and thank them for their generosity.

Please get in touch with Arya Samaj office or donate directly into Arya Samaj Bank account as below by setting up a monthly standing order.

**Bank Transfer – The Co-operative Bank
Name of account – Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands
Account number – 65839135 Sort Code – 08.92.99**

Once you have donated online, please let us know by email or phone.

Your help is highly appreciated. Thank you

EMERGENCY FUNDING FOR TOWER

Name	Amount
Dr Narendra & Mrs Shama Kumar	£2000
Mr Joginder Pal and Mrs Santosh Sethi	£1100
Dr Umesh Kathuria & Dr Subash Kathuria	£1001
Dr Saroj Adlakha	£1000
Dr & Mrs Shail Agarwal	£1000
Mrs S Bhandari	£1000
Mr Ved Parkash Rawal	£1000
Dr Vijay and Mrs Archna Bathla	£1000
Dr Narendra Patel	£501
Mrs Rama Joshi	£500
Dr Anil and Mrs Urvind Kohli	£1000
Mr Swaraj and Vijay Kumar	£301
Anonymous	£201
Dr Satya Vrat Sharma	£200
Mr Vinod Gulati	£200
Mrs Usha Khosla	£151
Mrs Suraksh Soni	£125
Mr Surinder Julka	£101
Dr Smita Mehra	£101
Dr Chetan Varma	£101
Mr Krishan Khurana	£101
Ms Anita Rastogi	£101
Mr Raj Joye	£101
Mr Ashok Panday	£101
Mr Parimal Somani	£101
Mrs Nirmal Prinja	£100
Mr Ashok & Mrs Sunita Bakshi	£100

Members who pay donations by standing order

Name	Amount	Payment
Mrs Kanti Bajaj and Family	£250	Yearly
Mr V.P Rawal	£121	Yearly
Mr Parimal Somani	£120	Yearly
Dr Narendra & Mrs Shama Kumar	£81	Yearly
Dr Chetan Varma	£30	Monthly
Dr P.D. Gupta	£21	Monthly
Dr Narendra & Mrs Shama Kumar	£20	Monthly
Mr Varinder Bahal	£15	Monthly
Mrs Nirmal Prinja	£15	Monthly
Dr Umesh Kathuria & Dr Subash Kathuria	£15	Monthly
Mr Vinod Gulati	£10	Monthly
Mr Alok Yadav	£10	Monthly
Mr Jatender Vatta	£10	Monthly
Mr Madan Mohan Sharma	£10	Monthly
Mr Ravinder Renukunta	£10	Monthly
Mrs Sushma Grover	£10	Monthly
Mr Medharthee Rathore Arya	£10	Monthly
Dr M D Agarwal	£10	Monthly
Mr Anand Vrat & Mrs Renuka Chandan	£10	Monthly
Mr Rajive Bali	£10	Monthly
Mr P Puttyah	£10	Monthly
Mr Joginder Pal Sethi	£10	Monthly
Mr Krishan Chand Talwar	£10	Monthly
Mr Swaraj Kumar & Mrs Vijay Luxmi	£8.50	Monthly
Mr Vipul Mistry	£5.25	Monthly
Mr Amit Khanna	£5.00	Monthly
Mr Vijay Kumar	£5	Monthly

Thank you for all your donations we are very grateful!

MEETING FOR VOLUNTEERS

We are holding our **2nd** Meeting for Volunteers to attend on **20th February 2022**

Time: - 2:00 p.m. – 4:00 p.m.

Venue: - The meeting will take place in Our Arya Samaj's Building - Swami Shraddanand Hall.

This meeting will be hosted by Mr Vijay Kumar and Mr Vinod Gulati Ji (BOT Members) Along with Miss Raji Chauhan (Office Manager), Our Acharya Dr. Umesh Yadav Ji (Minister of Religion) and Mrs. B.B. Duggal (BOT Members).

Topic: YOUTH ACTIVITIES & 'SEWA' TASKS - Most Charity

Organizations have volunteers who help with simple tasks during organisations activities. If you can offer to do 'Seva' even if it is once a week or month for 2 - 3 hours, it would be helpful. Even if you cannot commit to giving time at present, please do attend so that we can hear your views.

We know that most of you would like to help and support but quite often people do not know what help is needed and when. We have made a list of activities and it will be shared with you in the meeting.

We look forward to meeting with you and may we take this opportunity to thank you for your support.

**AUM SEWA YUVA MANDAL
ARYA SAMAJ (VEDIC MISSION) WM UK**

Fee for services provided by Arya Samaj West Midlands

Please contact Acharya Dr Umeh Yadav on 0121 359 7727 for more information -

- Ordinary membership fee is £20 for 12 months & Life membership is £500 paid once.
- Renewal for ordinary members of ASWM will get reminder letter for their membership fee of £20 each year.
- Matrimonial Service - £90 for 12 months
- Hire of our hall –
 - Maharishi Dayanand Hall and Swami Shraddhanand Hall – Members and friends can hire hall for celebration of birthday etc, as long as you do not drink alcohol and eat meat. We ask for a donation to cover electricity, gas and cleaning expenses. Please call 0121 359 7727 to book your event.

Donations to Arya Samaj for Priest Service.

- Marriage Ceremony performed by our priest - £400.
- Havan performed at home by our priest –
 - Birmingham and Surrounding Areas - £51
 - 12 Miles Outside of Birmingham - £101
- Cremation & Shanti Havan performed by our priest –
 - Birmingham and Surrounding Areas - £200
 - 12 Miles Outside of Birmingham - £250
 - Shanti Havan at Arya Samaj after cremation - £200

Note – Arya Samaj policy – All fees for Sacraments and Cremation are paid within 7 days.

Weekly services details
(NEW ZOOM DETAILS FOR 2022)

Please share with family & friends

Wednesday Day Centre – only at Bhavan

Time: 11am – 1pm

Please join in the Social group at Arya Samaj West Midlands every Wednesday from 11am. Emphasis is on keeping healthy and fit with yog and Pranayam. We will offer Tea/Coffee and biscuits free of cost. Those members who would like to have Lunch, we will try to provide lunch at the cost charged by caterer to us.

Wednesday Sanskrit Learning – via zoom only

Time: 08:00pm – 9pm

Every week from Wednesday 5th January 2022, until March 30th 2022. New ID will be sent out in April 2022

Join Zoom Meeting

<https://us06web.zoom.us/j/81102745053?pwd=QTM2VVE0ZWJC TTRCRHFpbzMzSnQ0Zz09>

Meeting ID: 811 0274 5053

Passcode: Vedic2

Thursday Yog Class – NEW TIME

Time: 06:00pm – 7pm

Every week from Thursday 6th January 2022, until March 31st 2022. New ID will be sent out in April 2022

Join Zoom Meeting

<https://us06web.zoom.us/j/89396895025?pwd=Y29yNnk0cyt1dy 9kY1hIV1VTdkdUUT09>

Meeting ID: 893 9689 5025

Passcode: Vedic2

Sunday Havan and Satsang

Time: 11:00am – 1pm - followed by Rishi Langer

Every week from Sunday 2nd January 2022, until March 27th, 2022. New ID will be sent out in April 2022

Join Zoom Meeting

<https://us06web.zoom.us/j/83133435231?pwd=eUxkQW5wL1VGazd6b3lJQ0tCUWo1UT09>

Meeting ID: 831 3343 5231

Passcode: 297503

If you would like the zoom links sent to your mobile or email please email us on enquiries@arya-samaj.org. We will need your email address or mobile number and we can add you to the list.

Every effort has been taken that information given is correct and complete. But if any mistake is spotted, please inform the office.

0121 359 7727

Member or non-member wishing to be sponsor Yajman in the Sunday congregation at Arya Samaj. Please call 0121 359 7727

If you are not having any symptom of Covid-19, we request you to start attending Sunday Congregation, Yog Class & other events we will hold this year at Arya Samaj Bhavan. But for the benefit of those members who can not come to Bhavan we will continue providing our services on Zoom.

YOUR ARYA SAMAJ IS HERE TO HELP IN
“YOUR HOUR OF NEED”

Dear members

Due to Covid-19 Pandemic and other issues, some of us have been going through all kinds of problems.

Your Arya Samaj is here to help you in your hour of need.

Please get in touch with us. Our Acharya ji, Shri Umesh Yadav, is a resident priest and lives in our Arya Samaj Bhavan.

You can contact him by phoning on 0121 3597727 or emailing on enquiries@arya-samaj.org

If Acharya Ji is not available to answer your phone, please leave a message with your full name, telephone number and briefly about your problem. It will be answered soon.

Please do not suffer alone. Talk to us. We exist to support our members and friends, especially when they are in any kind of trouble.

So please remember us in “Your Hour of Need”.

Thank you.

Kind regards.

Yours sincerely

Dr. Narendra Kumar

